भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 614

जिसका उत्तर 25.07.2024 को दिया जाना है

सड़क निर्माण की गति

614. श्री अरविंद गणपत सावंतः

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 2024-2025 में भारत में सड़क निर्माण कार्य की गति में 7-10% की कमी आने की संभावना है, और यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं;

(ख) क्या राजमार्गों की रेटिंग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सड़कों का विस्तार और चौड़ीकरण किए जाने की अत्यधिक जरूरत है और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान सड़कों के विस्तार और चौड़ीकरण के लिए राज्य सरकारों, विशेषकर महाराष्ट्र, मे प्राप्त प्रस्तावों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) मंत्रालय ने 2023-24 की पहली तिमाही के दौरान 2,250 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण की तुलना में 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान 1,934 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का निर्माण किया है। आम चुनाव 2024 में सभी राज्यों में जिला प्राधिकरण की व्यस्तता ने कुछ हद तक इसे प्रभावित किया और अन्य बातों के साथ-साथ निर्माण की गति को भी प्रभावित किया। हालांकि, मंत्रालय एनएच के विकास के लिए सरकार द्वारा दिए गए अधिदेश के भीतर निर्माण की गति को अधिकतम करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण इस मंत्रालय और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा निर्धारित विनिर्देशों और मानकों के अनुसार किया जाता है।

(ग) और (घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष महाराष्ट्र राज्य सहित राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार एवं चौड़ीकरण के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों का राज्य-वार ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

<u>अनुबंध</u>

'**सड़क निर्माण की गति**' के संबंध में श्री अरविंद गणपत सावंत और श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे द्वारा दिनांक 25.07.2024 को पूछा गया लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **614** के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और चौड़ीकरण के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों का राज्यवार ब्यौरा

क्रम सं.	**राज्य**	**राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और चौड़ीकरण के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों की संख्या**			**मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या**		
		2021-22	**2022-23**	**2023-24**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
1.	आंध्र प्रदेश	19	23	7	19	23	7
2.	अरुणाचल प्रदेश	0	0	18	0	0	18
3.	असम	14	18	6	4	2	4
4.	बिहार	8	6	2	8	6	2
5.	छत्तीसगढ	8	6	3	6	3	3
6.	गोवा	2	2	2	2	2	2
7.	गुजरात	26	21	21	26	21	21
8.	हरियाणा	4	5	1	4	5	1
9.	हिमाचल प्रदेश	4	3	1	4	3	1
10.	झारखंड	9	6	6	9	6	6
11.	कर्नाटक	33	35	17	33	35	17
12.	केरल	7	4	1	7	4	0
13.	मध्य प्रदेश	16	10	8	16	10	8
14.	महाराष्ट्र	46	55	85	38	49	69
15.	मणिपुर	-	-	3	-	-	-
16.	मेघालय	2	2	3	1	-	3
17.	मिजोरम	-	1	-	-	1	-
18.	नागालैंड	8	4	5	-	-	-
19.	ओडिशा	23	23	6	23	23	6
20.	पंजाब	16	9	4	16	9	4
21.	राजस्थान	16	4	7	16	4	7
22.	तमिलनाडु	13	9	2	12	6	1

23.	तेलंगाना	16	14	1	16	14	1
24.	उत्तर प्रदेश	30	23	11	30	23	11
25.	उत्तराखंड	3	4	6	3	4	3
26.	पश्चिम बंगाल	1	4	1	1	4	1
27.	संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)	2	5	1	2	5	1

*****